पुलिस अधीक्षक यातायात को बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री की ओर से समर्पित सुझाव

- ट्रैफिक की समस्या केवल पुलिस प्रशासन से ही संबंधित नहीं है बल्कि इसमें कई विभागों की भागीदारी होती है इसलिए हमारा सुझाव है कि सरकार के स्तर पर आपकी ओर से एक प्रस्ताव रखा जाए कि सभी संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारियों की एक कमिटी बनाकर संयुक्त रूप से पहल किया जाए तथा एक ठोस कार्य योजना बनायी जाए । साथ ही साथ पटना में बढ़ती जनसंख्या, वाहनों का दबाव एवं संकरी सड़कों के कारण ट्रैफिक जाम एक बहुत बड़ी समस्या बन गयी है । इस सन्दर्भ में हमारा निवेदन होगा कि ट्रैफिक पुलिस के पास आधुनिक उपकरण प्रचूर मात्रा में उपलब्ध कराया जाए । साथ ही साथ ट्रैफिक पुलिस की संख्या में भी अपेक्षित वृद्धि करना आवश्यक है ।

- पटना के अधिकांश सड़को को One way करके ही ट्रैफिक व्यवस्था में आमूल–चूल सुधार किया जा सकता है ।

- रोड के साईड में अनाधिकृत वेंडरों के कारण यातायात में बाधित होती है । अत: यातायात को सहज बनाने हेतु अनाधिकृत वेंडरों को स्थायी रूप से हटाया जाना चाहिए ।

- अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया नियमित रूप से छ: माह से लेकर एक साल तक चलाना चाहिए तभी इसका स्थायी समाधान निकल सकता है ।

- पटना में मुम्बई के तर्ज पर ट्राफिक ट्रेनिंग इन्स्टीच्यूट का प्रस्ताव एक स्वागतयोग्य निर्णय है ।

- पटना जंक्शन गोल्म्बर के साथ–साथ इसके पूरब चिरैयाटाड़ पुल एवं पश्चिम में जी०पी०ओ० गोलम्बर तक बराबर यातायात बाधित रहता है जिसके कारण पटना जंक्शन आने एवं जानेवाले लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है और इसका मुख्य कारण सड़क के दोनों ओर अवैध रूप से किया गया अतिक्रमण है । अत: इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है ।

- पटना के प्राचीन मार्केट यथा – न्यू मार्केट, हथुआ मार्केट, खेतान मार्केट, बारी रोड, लालजी मार्केट, देवालय मार्केट, राजधानी मार्केट पूर्णरूपेण व्यवसायिक एरिया है परन्तु इस क्षेत्र में बराबर यातायात बाधित रहने के कारण इस व्यवसायिक एरिया का व्यापार पूर्णरूपेण बाधित हो रहा है जिसका प्रतिकूल प्रभाव सरकार के राजस्व पर भी पड़ रहा है । बराबर ऐसा देखा गया है कि जाम के कारण एम्बुलेंस एवं स्कूली वाहन घंटों जाम में फंसे रहते हैं । यदि इस क्षेत्र में आग लगी की घटना हो जाए तो दमकल के पहुॅचते–पहुॅचते बड़े पैमाने पर भारी नुकसान हो सकता है ।

  ऐसा देखा जा रहा है कि गायघाट, पटना सिटी से आनेवाले ऑटो एवं ई–रिकसा बाकरगंज ट्राफिक पोस्ट से पहले अपने वाहन को रोक कर यात्रियों से भाड़ा लेते हैं जिसके कारण मछुआ टोली

क्रमश:.....2

तक जाम लग जाता है साथ ही गॉधी मैदान से पटना जंक्शन जानेवाले ऑटो एवं ई–रिकसा उसी मोड़ पर वाहन रोक कर सवारी बैठाते हैं जिसके कारण भी यातायात बाधित होता हैं । अत: इसका ठोस समाधान निकाला जाए ।

- ऑटो, ई–रिक्सा एवं नगर सेवा बसों द्वारा सड़क के बीच एवं मोड़ पर गाड़ी खड़ी कर सवारी उतारने एवं चढ़ाने से यातायात अवरूद्ध होता है । अत: इसका ठहराव केवल चिन्हित स्थलों पर हो इस पर सख्ती करने की आवश्यकता है ।

  इस संबंध में हमारा सुझाव है कि सिटी राइड बसों एवं ऑटो रिक्शा चालकों को यातायात नियमों से प्रशिक्षित करने हेतु प्रशिक्षण दिया जाए ।

- अनियंत्रित रूप से परिचालित दो पहिया वाहनों पर सख्ती बरती जाए ।

- शहरी क्षेत्र में वाहनों की अनियमित परिचालन, अवैध पार्किंग पर रोक लगाने हेतु सघन जॉच अभियान निरन्तर रूप से चलायी जाए ।

- यातायात को सुचारू एवं सहज बनाने हेतु यह आवश्यक है कि साईकिल रिक्शा का पटना के प्रमुख मार्गों पर परिचालन को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए ।

- ई–रिक्सा के चलाने हेतु लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होने के कारण आय दिन इसकी संख्या में काफी बढ़ोत्तरी हो रही है । ऐसा देखा जा रहा है बहुत कम उम्र के लड़के इसे चला रहे हैं जिन्हें यातायात नियमों की कोई जानकारी नहीं होती जिससे लोगों को काफी असुविधा हो रही है अत: इस पर अंकुश लगाया जाना चाहिए ।

पटना
दिनांक 22 अप्रैल 2019